खेती …

कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयत्न

स्वतन्त्रता-प्राप्ति के पश्चात् भारत सरकार ने कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने के लिए विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में निम्न प्रयत्न किए हैं :

(1) **राष्ट्रीय बीज निगम व फार्मों की स्थापना**—उन्नत बीज उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय बीज निगम व बड़े-बड़े फार्मों की स्थापना की गई है।

(2) **रासायनिक खाद इकाइयों की स्थापना**—भिन्न-भिन्न स्थानों पर रासायनिक खाद बनाने के कारखाने भारतीय खाद निगम व अन्य संस्थाओं ने स्थापित किए हैं।

(3) **सिंचाई सुविधाओं का विस्तार**—सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लघु, मध्यम व बड़ी नदी-घाटी योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं जिनमें भाखड़ा नंगल बांध जैसी योजनाएं भी शामिल हैं।

(4) **फसलों को कीटाणुओं व रोगों से बचाना**—फसलों को कीटाणुओं व रोगों से बचाने के लिए केन्द्रीय कृषि मन्त्रालय ने अलग से एक सैल की स्थापना की है जो आवश्यकता के समय हेलीकॉप्टर या हवाई जहाज से कीट या रोगनाशक दवाइयों को छिड़कता है।

(5) **चकबन्दी**—एक कृषक के छोटे-छोटे व बिखरे हुए खेतों को एक स्थान पर करने के लिए चकबन्दी कार्यक्रम लागू किए हैं और अब तक लगभग 6.41 करोड़ एकड़ भूमि में चकबन्दी की जा चुकी है।

Scanned with CamScan

(6) **प्रशिक्षण**—कृषकों को नवीन तकनीकों को समझाने व उनको कार्य में लाने के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं की व्यवस्था की है।

(7) **कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की स्थापना**—कृषि मूल्यों में स्थायित्व लाने के लिए इस आयोग की स्थापना की गयी है जो इस सम्बन्ध में सरकार को समय-समय पर सुझाव देता है।

(8) **ग्रामीण बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार**—ग्रामीण साख सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए बैंकों को ग्रामीण शाखाएं खोलने के लिए विवश किया गया है।

(9) **सहकारी कृषि को बढ़ावा**—सहकारी खेती को भी बढ़ावा देने का प्रयत्न किया गया है।

(10) **नियमित बाजारों की स्थापना**—विपणन सुविधाएं देने के लिए अब तक 7,062 बाजारों को नियमित बाजारों में बदल दिया गया है।

(11) **जोतों के आकार को छोटे होने से रोकने के लिए कानून**—जोतों के अधिक छोटे होने से रोकने के लिए सम्बन्धित कानून में संशोधन किए गए हैं।

(12) **कृषि अनुसन्धान एवं विकास**—कृषि अनुसन्धान एवं विकास हेतु कई विश्वविद्यालय खोले गए हैं।

इस प्रकार कृषि उत्पादकता के प्रयासों से हम हरित क्रान्ति के युग में प्रवेश कर चुके हैं और आशा है कि निकट भविष्य के कुछ ही वर्षों में कृषि उत्पादकता में और तेज गति से वृद्धि होगी।

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. कृषि के स्वभाव एवं महत्व पर प्रकाश डालिए तथा कृषि की मुख्य विशेषताएं बताइए।
2. कृषि उत्पादकता से क्या अर्थ है? भारत में न्यून कृषि उत्पादकता के कारणों पर प्रकाश डालिए।
3. भारत में कृषि उत्पादन एवं उसकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए सरकार ने कौन-कौन से प्रयास किये हैं? व्याख्या कीजिए।
4. टिप्पणी लिखिए : (i) भूमि उपयोग ढांचा, (ii) राष्ट्रीय कृषि नीति।
5. कृषि में उत्पादकता निर्धारण के तत्व कौन-कौन से हैं? व्याख्या कीजिए।

Scanned with CamScanner